ISSN: 2456–5474 RNI No.UPBIL/2016/68367 Vol.-5* Issue-8* October- 2020
Innovation The Research Concept

ग्रामीण विकास एवं प्रादेशिक प्रतिरूप (बून्दी तहसील के संदर्भ में एक भौगोलिक अध्ययन)

Rural Development and Regional Pattern (A Geographical Study with according to Bundi Tehsil.)

Paper Submission: 15/10/2020, Date of Acceptance: 25/10/2020, Date of Publication: 26/10/2020

सत्यनारायण नागर
शोध छात्र,
भूगोल विभाग,
राजस्थान विश्वविद्यालय,
जयपुर, राजस्थान, भारत

सारांश

ग्रामीण विकास शब्द किसी भी ग्राम में निवास करने वाले व्यक्तियों के जीवन स्तर सुधारने के साथ– साथ ग्रामीण क्षेत्र के कृषि और सहायक गतिविधियों, कुटीर एवं लघु उद्योग और शिल्पकारी उद्योग, सामाजिक–आर्थिक अधोसंरचना, सामुदायिक सेवाएं एवं सुविधाएं के विकास को प्रदर्शित करता है।

कृषि की दशा यदि अच्छी होती है, तो लोगों को रोजगार मिलता है और गरीबी, भुखमरी व कुपोषण जैसी समस्याएँ भी बहुत सीमा तक नही व्यापती है। अतः इन समस्याओं के समाधान के लिए ग्रामीण विकास की संकल्पना सर्वसार्थक संकल्पना है जिसे हम ग्राम पंचायत स्तर पर लागु करके अपना सकते है। अध्ययन क्षेत्र तहसील बून्दी, बून्दी शहर के चारों ओर फैला हुआ है। यह प्रदेश मैदान, पहाडियों एवं पठारों का मिलाजुला स्वरूप है। बून्दी तहसील का फसलों के अन्तर्गत क्षेत्र 121166 हैक्टेयर है। बून्दी तहसील में कृषित क्षेत्र की दृष्टि से महत्वपूर्ण फसलें चावल, गेहूँ, मक्का, सरसों, सोयाबीन, दलहन, गन्ना, मूंगफली, सब्जियाँ तथा फल हैं। बून्दी तहसील में वर्ष में सामान्यतया दो फसलें बोई जाती हैं। बून्दी तहसील में नहरी सिंचाई की सुविधा, उपजाऊ मृदा, सामाजिक–आर्थिक कारक तहसील के कृषित क्षेत्र की दृष्टि से अग्रणी होने हेतु उत्तरदायी है। अध्ययन क्षेत्र बून्दी तहसील में लघु शोधपत्र में प्रमुख उद्देश्य कृषि विकास तथा कृषि उद्योगों का सह–सम्बन्ध विश्लेषण करना एवं मानव विकास स्तर ज्ञात करना है।

अतः अध्ययन क्षेत्र में गृह संरचना, सामाजिक–आर्थिक विवरण, सामुदायिक सुविधाओं एवं प्रति व्यक्ति वन क्षेत्र जैसे प्रमुख अवययों पर सांख्यिकीक का प्रयोग किया है। उपर्युक्त सूचकांकों के आधार पर अध्ययन क्षेत्र तहसील बून्दी में ग्रमीण विकास का स्तर तथा प्रादेषिक प्रतिरूप ज्ञात किया गया है।

The term rural development refers to the improvement in the standard of living of the people living in any village, as well as the development of agriculture and allied activities, cottage and small scale industries and crafts industries, socio-economic infrastructure, community services and facilities in the rural areas. .

If the condition of agriculture is good, people get employment and problems like poverty, hunger and malnutrition also do not spread to a great extent. Therefore, to solve these problems, the concept of rural development is a universal concept that we can adopt by applying it at the gram panchayat level. The study area is spread around the town of Tehsil Bundi, Bundi. This region is a mixed form of plains, hills and plateaus. The area under Bundi tehsil crops is 121166 hectares. In Bundi tehsil, the important crops in terms of cultivated area are rice, wheat, maize, mustard, soyabean, pulses, sugarcane, groundnut, vegetables and fruits. Two crops are generally sown in the year in Bundi tehsil. In Bundi tehsil, canal irrigation facility, fertile soil, socio-economic factors are responsible for leading the cultivated area of tehsil. The main objective of the small research paper in the study area Bundi Tehsil is to analyze the correlation between agricultural development and agricultural industries and to find out the level of human development.

Therefore, statisticians have been used in the study area on key elements such as house structure, socio-economic details, community facilities and per capita forest area. Based on the above indices, the level and regional pattern of rural development in the study area Tehsil Bundi has been determined.

मुख्य शब्द : ग्रामीण विकास, ग्रामीण अर्थव्यवस्था, लघु उद्योग, कृषि संसाधन, मानव विकास।
Rural Development, Rural Economy, Small Industry, Agricultural Resources, Human Development.

प्रस्तावना

भारत जैसे कृषि प्रधान अर्थव्यवस्था वाले देषों में ग्रामीण विकास क्षेत्र के विभिन्न भौगोलिक संसाधनों की पोषणीय उपयोगिता पर आधारित है। एक तथ्य के रूप में ग्रामीण विकास विविध भौतिक, तकनीकी, आर्थिक, सामाजिक–सांस्कृतिक एवं संस्थागत कारकों के मध्य अन्तसरम्बन्धों का अन्तिम परिणाम है। ये कारक परिवार, गाँव, जिला, राज्य, राष्ट्र तथा विष्व आदि कई स्तरों पर कार्य करते हैं।[1] एक रणनीति के रूप में इसकी संरचना वर्ग विशेष के लोगों की – विशेषतः ग्रामीण गरीबों की आर्थिक एवं सामाजिक समृद्धि में सुधार हेतु की गई है। एक अनुशासन के रूप में इसकी प्रकृति बहुअनुशासनिक है जिसमें कृषिगत, सामाजिक, व्यावहारिक, अभियांत्रिक एवं प्रबन्धकीय विज्ञानों का प्रतिनिधित्व है। रविन्द्रनाथ ठाकुर ने ग्रामीण विकास की प्रक्रिया को इस प्रकार परिभाषित किया है ''एक ऐसा प्रयास जो गांव की संस्कृति को बरकरार रखते हुए आधुनिक संसाधनों के उपयोग से ग्रामीणों के आर्थिक, सामाजिक, बौद्धिक एवं नैतिक उत्थान में सहायक हैं''।

रॉबर्ट चेम्बर्स के शब्दों में

ग्रामीण विकास एक ऐसी रणनीति है जो समूह विशेष के लोगों, ग्रामीण गरीब पुरुषों एवं स्त्रियों को समर्थ बनाती है। उन्हें एवं उनके बच्चों को उनकी इच्छाओं एवं आवश्यकताओं से अधिक अर्जित करने के योग्य बनाती है। इसमें ग्रामीण क्षेत्र के निर्धनतम लोगों को आजीविका पाने में सहायता मिलती है। जिससे ग्रामीण क्षेत्र में मांग बढ़ती है और विकास का लाभ लघु तथा सीमान्त किसानों, भूमिहीनों आदि तक पहुंचता है।[2]

सैद्धान्तिक दृष्टि से विकास को साक्षरता, कार्यशील जनसंख्या, लिंग अनुपात, शुद्ध बोया गया क्षेत्रफल, सिंचन गहनता, प्रति व्यक्ति वन क्षेत्र तथा शोचालय के प्रयोग जैसे इत्यादि परिवर्तन के रूप में परिभाषित किया जाता है, जो दो समयान्तरालों के मध्य उपलब्ध संसाधनों में पोषणीय विकास की स्थिति प्राप्त करने के लिए किया जाता है और यह परिवर्तन ही विकास की मुख्य संकल्पना है। किसी भी क्षेत्र में निवासरत ग्रामीण जनसंख्या के विकास के लिए आवश्यक है कि उस क्षेत्र में सामाजिक व आर्थिक सुविधाओं का विस्तार किया जाये। भारत जैसे देश के लिए तो यह अत्यधिक अपरिहार्य भी है क्योंकि देश की सन् 2011 की जनगणना के आधार पर 68.84 प्रतिशत आबादी ग्रामीणांचल में निवास करती है।

अध्ययन क्षेत्र एक परिचय

अध्ययन क्षेत्र के अन्तर्गत राजस्थान राज्य के बून्दी जिले कि बून्दी तहसील का चयन किया गया है। तहसील बून्दी, बून्दी जिला के मध्यवर्ती, दक्षिण–पश्चिम क्षेत्र में फेली हुई है। तहसील बून्दी का अक्षांषीय विस्तार एवं देषान्तरीय विस्तार क्रमशः 24º59'11" से 25º33'45" उत्तरी अक्षांश तथा 75º22'58" से 75º57'10" पूर्वी देशान्तर के मध्य स्थित है।[3] अध्ययन क्षेत्र अवशिष्ट अरावली पर्वत, मालवा पठार एवं चम्बल–मेज दोआब पर फैला हुआ है। अतः यह प्रदेश मैदान, पहाडियों एवं पठारों का मिलाजुला स्वरूप है जो प्रशासनिक दृष्टि से 1.11.1956 के दौरान अस्तित्व में आया। प्रशासनिक दृष्टि से बून्दी तहसील के उत्तर में हिण्डोली, उत्तर–पूर्व में नैनवा, पूर्व में केषवराय पाटन, दक्षिण–पूर्व में कोटा, दक्षिण में चितौडगढ़ एवं दक्षिण–पश्चिम तथा पश्चिम में भीलवाडा स्थित हैं। गर्मियों में यहां का अधिकतम तापमान 45^{o}C न्यूनतम तापमान 28^{o}C सर्दियों में अधिकतम तापमान 32^{o}C तथा न्यूनतम तापमान 10^{O}C रहता है। वर्षा का औसत 75 सेन्टीमीटर से 88 सेन्टीमीटर के बीच रहता है।[4]

जनगणना वर्ष 2011 के अनुसार तहसील बून्दी का क्षेत्रफल 1929.27 वर्ग किलोमीटर है जो बून्दी जिला के कुल क्षेत्रफल (5850 वर्ग किलोमीटर) का मात्र 32.97 प्रतिषत है। तहसील की समुद्री तल से औसत ऊँचाई 600 से 650 मीटर के मध्य है।[5]

अध्ययन का उद्देश्य

प्रस्तुत लघु शोध अध्ययन में निम्न उद्देश्य निर्धारित किये गये हैं।

1. अध्ययन क्षेत्र में भौगोलिक स्वरूप, भूमि उपयोग, कृषि स्वरूप, जनांकिकीय तथा गृह संरचना इत्यादि चरों के मध्य तुलनात्मक एवं सकल रूप से अध्ययन करना
2. अध्ययन क्षेत्र में ग्रामीण विकास के स्तर तथा प्रादेशिक प्रतिरूप का अध्ययन करने के साथ–साथ विकास के चरों को जानना।
3. बून्दी तहसील में भौगोलिक प्रदेशों के विकास को ग्रामीण स्तर के आधार पर विकास प्रतिरूप के स्तर को निर्धारित करना।
4. अध्ययन क्षेत्र में ग्रामीण विकास के लिए भौगोलिक तथा सांस्कृतिक कारकों के योगदान के स्तर को जानना।

शोध –प्रश्न

1. विभिन्न भौगोलिक प्रदेशों के अन्तर्गत ग्रामीण विकास का स्तर किस प्रकार से है ?
2. बून्दी तहसील में ग्रामीण विकास का प्रादेशिक प्रतिरूप किस प्रकार से है ?
3. अध्ययन क्षेत्र में ग्रामीण विकास के लिए भौगोलिक तथा सांस्कृतिक कारकों में से कौनसे कारक अधिक प्रभावित है?

शोध–प्रविधियाँ

1. अध्ययन क्षेत्र में ग्रामीण विकास के संश्लेषण तथा विश्लेषण करने के लिये प्राथमिक एवं द्वितीयक आंकड़े तथा सांख्यिकी विधियों को उपयोग में लिया गया हैं।
2. अध्ययन की दृष्टि से प्राथमिक आंकड़ों के संकलन के लिए व्यवस्थित दैव प्रतिचयन विधि (Systematic Random Sampling) का प्रयोग कर बून्दी तहसील को तीन मुख भौगोलिक क्षेत्रों –मैदानी (अन्थड़ा, रायथल, उमरच तथा बरून्धन), पेडिमेन्ट (अजेता, नमाना, सिलोर तथा लक्ष्मीपुरा) एवं पर्वतीय–पठारी (धनेसर,

हट्टीपुरा, गुडानाथावता तथा गरड़धा) प्रदेश में विभक्त किया गया हैं एवं इनके अन्तर्गत सर्वेक्षण के लिए 12 ग्रामों का चयन किया गया है।

3. द्वितीयक आंकड़ों के लिए जयपुर जनगणना विभाग के प्राथमिक आंकड़े, जिला सांख्यिकीय रूपरेखा (2011), विविध संदर्भ पुस्तके , अप्रकाषित शोध प्रबन्ध तथा डोट नेट को उपयोग में लिया गया हैं।
4. ग्रामीण विकास स्तर को ज्ञात करने के लिए 20 चर लिए गये है, जो इस प्रकार हैः–
5. जनांकिकीय चर
6. कृषि पर आधारित चर
7. गृह संरचना पर आधारित चर
8. आंकड़ों के विश्लेषण के लिय सांख्यिकी विधियों में मानक विचलन को प्रयोग में लिया। इस हेतु कल्पित माध्य पर आधारित कार्ल पियर्सन महोदय की लघुरीति का प्रयोग किया है, जो निम्न चरण में है।

प्रथम चरण में समान्तर माध्य ज्ञात किया गया हैः–

$$\overline{X} = \sum X / N$$

द्वितीय चरण में मानक विचलन ज्ञात किया गया हैः–

$$\sigma = \sqrt{\frac{\sum d^2x}{N} - \left(\frac{\sum dx}{N}\right)^2}$$

तृतीय चरण में मानक विचलन स्तर मान ज्ञात किया गया हैः–

चतुर्थ चरण में सामूहिक सूचकांक ज्ञात किया गया है, जिस के अन्तर्गत प्रत्येक ग्राम के सभी 20 सूचकांको के प्रमापीकरण मान को जोड़कर कुल योग में सूचकांको की सख्या (20) का भाग देते है।

पंचम चरण में क्षेत्र को चार ग्रामीण विकास स्तर में विभक्त किया गया है, इस हेतु वर्ग विस्तार के लिए निम्नलिखित सूत्र का प्रयोग किया–

ग्रामीण विकास स्तर के वर्ग निम्न प्रकार है–

1. उच्चतम श्रेणी ग्रामीण विकास स्तर–0.61 से 1.00 तक
2. उच्च श्रेणी ग्रामीण विकास स्तर– 0.21 से 0.60 तक
3. मध्य श्रेणी ग्रामीण विकास स्तर– 0.21 से 0.20 तक
4. निम्न श्रेणी ग्रामीण विकास स्तर – –0.61 से –0.20 तक

इनके अतिरिक्त भूगोल विषय में प्रयुक्त जैसे– आरेख विधि, सारणीकरण विधि, ग्राफि विधि, सिंचन गहनता तथा कार्यिक घनत्व इत्यादि का प्रयोग किया हैं।

शोध– विश्लेषण

बून्दी तहसील में जनांकिकीय चर, कृषि आधारित चर तथा गृह संरचना चर पर आधारित सूचकांकों को केन्द्र मानकर ग्रामीण विकास के स्तर तथा प्रादेषिक प्रतिरूप के लिए निम्न विश्लेषण किया है।

जनांकिकीय चर

इस प्रकार के चर के अन्तर्गत ग्रमीण विकास सूचकांक ज्ञात करने के लिए कुल साक्षरता, पुरूष साक्षरता, महिला साक्षरता, कार्यशील जनसंख्या, लिंगानुपान, कार्यिक घनत्व तथा सयुक्त परिवार को रखा गया हैं।

सारणी नं. 1 बून्दी तहसील में जनांकिकीय सूचकांक

सर्वेक्षित ग्राम	कुल साक्षरता	पुरूष साक्षरता	महिला साक्षरता	कार्यशील जनसंख्या (प्रतिशत)	लिंग अनुपात	कार्यिक घनत्व प्रति वर्ग कि.मी.	सर्वेक्षित परिवारों में संयुक्त परिवार (प्रतिशत)
अन्थड़ा	65.46	76.80	53.14	31.73	914.00	1.99	40.00
	0.70	0.37	0.72	-2.41	-0.89	-0.65	-0.28
रायथल	58.22	72.60	42.58	53.86	916.00	3.37	73.33
	-0.06	-0.02	-0.11	1.65	-0.78	-0.43	1.10
उमरच	65.53	80.56	50.12	45.45	948.00	3.55	20.00
	0.71	0.73	0.48	0.10	0.83	-0.40	-1.10
बरून्धन	69.03	83.20	54.53	48.76	962.00	3.86	86.67
	1.07	0.98	0.83	0.71	1.54	-0.35	1.65
अजेता	62.48	77.07	47.21	46.96	938.00	3.62	13.33
	0.39	0.40	0.25	0.38	0.33	-0.39	-1.38
नमाना	67.14	79.69	53.59	47.95	906.00	4.68	13.33
	0.88	0.65	0.75	0.56	-1.29	-0.22	-1.38
सिलोर	59.60	75.24	43.07	49.43	920.00	3.31	46.67
	0.09	0.23	-0.07	0.84	-0.58	-0.44	0.00
लक्ष्मीपुरा	49.65	62.72	35.60	39.25	927.00	6.74	46.67
	-0.96	-0.95	-0.65	-1.03	-0.23	0.11	0.00
धनेसर	44.10	56.65	30.27	43.59	900.00	25.18	80.00
	-1.54	-1.53	-1.07	-0.23	-1.59	3.08	1.38
हटटीपुरा	63.09	80.70	45.05	40.48	946.00	2.71	66.67

	0.45	0.74	0.09	-0.80	0.73	-0.54	0.83
गुडानाथावता	63.95	78.40	48.79	45.85	943.00	2.57	40.00
	0.54	0.53	0.38	0.18	0.58	-0.56	-0.28
गरड़धा	37.18	50.37	23.59	45.17	958.00	10.93	33.33
	-2.27	-2.12	-1.60	0.05	1.34	0.79	-0.55
सामान्तर माध्य	58.79	72.83	43.96	44.87	931.50	6.04	46.67
मानक विचलन	9.53	10.60	12.77	5.46	19.77	6.21	24.19

स्त्रोत : जनगणना प्रकाशन विभाग– जयपुर, जिला सांख्यिकिय विभाग– जयपुर एवं प्राथमिक सर्वेक्षण।

कृषि आधारित चर

कृषि आधारित चरों के अन्तर्गत ग्रमीण विकास सूचकांक ज्ञात करने के लिए शुद्ध बोया गया क्षेत्र, सिंचन गहनता, नहरी भूमि क्षेत्र, चरागाह भूमि क्षेत्र, व्यापारिक शस्य के अन्तर्गत क्षेत्र, प्रतिव्यक्ति वन क्षेत्र, भंडारण कक्ष, उन्नत बीच का प्रयोग ट्रेक्टरों की संख्या तथा कृषि आधारित उद्योग को सम्मिलित किया गया हैं।

सारणी नं. 2 बून्दी तहसील में कृषि आधारित सूचकांक

सर्वेक्षित ग्राम	भौगोलिक क्षेत्र का शुद्ध बोया गया क्षेत्रफल (प्रतिशत)	सिंचन गहनता	भौगोलिक क्षेत्र का नहरी भूमि (प्रतिशत)	भौगोलिक क्षेत्र का स्थायी चरागाह भूमि (प्रतिशत)	प्रति व्यक्ति वन क्षेत्र (हेक्टेयर)	नवीनत्म या व्यापारिक शस्यों का क्षेत्रफल (प्रतिशत)	कृषि आधारित उद्योग	सर्वेक्षित परिवारों मे ट्रेक्टर रखने वाले परिवार (प्रतिशत)	सर्वेक्षित परिवारों मे उन्नत बीज का प्रयोगे करने वाले परिवार (प्रतिशत)	सर्वेक्षित परिवारों में भंडारण कक्ष रखने वाने परिवार (प्रतिशत)
अन्थड़ा	71.21	84.30	60.03	6.60	0.00	43.04	1.00	26.67	80.00	40.00
	0.51	0.83	1.40	0.15	-0.49	0.41	-0.77	0.88	1.24	1.61
रायथल	53.07	0.00	0.00	10.63	0.00	14.21	2.00	13.33	73.33	0.00
	-0.13	-1.43	-0.60	1.32	-0.49	-1.67	0.55	-0.29	0.71	-0.91
उमरच	83.48	0.00	0.00	7.54	0.00	51.69	1.00	26.67	53.33	26.67
	0.94	-1.43	-0.60	0.42	-0.49	1.04	-0.77	0.88	-0.88	0.77
बरून्धन	84.32	99.71	84.07	0.85	0.00	50.71	2.00	26.67	86.67	40.00
	0.97	1.24	2.21	-1.52	-0.49	0.97	0.55	0.88	1.77	1.61
अजेता	68.74	93.55	62.42	8.16	0.00	40.94	3.00	6.67	53.33	0.00
	0.42	1.08	1.48	0.60	-0.49	0.26	1.86	-0.88	-0.88	-0.91
नमाना	46.13	50.69	9.24	8.73	0.13	34.31	3.00	6.67	80.00	0.00
	-0.38	-0.07	-0.29	0.77	-0.19	-0.22	1.86	-0.88	1.24	-0.91
सिलोर	76.53	88.12	0.00	6.62	0.00	59.01	1.00	6.67	46.67	13.33
	0.69	0.93	-0.60	0.16	-0.49	1.57	-0.77	-0.88	-1.41	-0.07
लक्ष्मीपुरा	32.26	52.48	0.00	8.03	0.20	30.90	1.00	6.67	53.33	0.00
	-0.87	-0.02	-0.60	0.56	-0.05	-0.46	-0.77	-0.88	-0.88	-0.91
धनेसर	3.38	22.48	0.00	0.49	0.75	46.20	1.00	6.67	60.00	0.00
	-1.89	-0.83	-0.60	-1.63	1.19	0.64	-0.77	-0.88	-0.35	-0.91
हट्टीपुरा	71.56	0.00	0.00	10.22	0.00	40.09	1.00	40.00	66.67	26.67
	0.52	-1.43	-0.60	1.20	-0.48	0.20	-0.77	2.05	0.18	0.77
गुडानाथावता	86.90	60.49	0.00	1.30	0.01	19.26	2.00	26.67	66.67	26.67
	1.06	0.19	-0.60	-1.39	-0.46	-1.31	0.55	0.88	0.18	0.77
गरड़धा	4.61	87.91	0.00	3.93	1.53	17.39	1.00	6.67	53.33	0.00
	-1.84	0.93	-0.60	-0.63	2.91	-1.44	-0.77	-0.88	-0.88	-0.91
सामान्तर माध्य	56.85	53.31	17.98	6.09	0.22	37.31	1.58	16.67	64.44	14.44
मानक विचलन	28.34	37.28	29.96	3.44	0.45	13.83	0.76	11.39	12.57	15.83

स्त्रोत : जनगणना प्रकाशन विभाग– जयपुर, जिला सांख्यिकिय विभाग– जयपुर एवं प्राथमिक सर्वेक्षण।

गृह संरचना पर आधारित चर

अध्ययन क्षेत्र बून्दी तहसील में ग्रमीण विकास सूचकांक ज्ञात करने के लिए गृह संरचना पर आधारित चरों के अन्तर्गत आधुनिक गृह संरचना, कमरों की संख्या तथा शोचालय का प्रयोग को सम्मिलित किया गया हैं।

ISSN: 2456–5474 RNI No.UPBIL/2016/68367 Vol.-5* Issue-8* October- 2020
Innovation The Research Concept

सारणी नं. 3 बून्दी तहसील में गृह संरचना पर आधारित सूचकांक

सर्वेक्षित ग्राम	सर्वेक्षित परिवारों मे 3 या अधिक कमरों की संख्या (प्रतिशत)	सर्वेक्षित परिवारों में शोचालय का प्रयोगे करने वाले परिवार (प्रतिशत)	सर्वेक्षित परिवारों में आधुनिकगृह संरचना (प्रतिशत)
अन्थड़ा	40.00	86.67	6.67
	0.55	0.94	-1.09
रायथल	20.00	33.33	6.67
	-0.69	-2.07	-1.09
उमरच	40.00	86.67	26.67
	0.55	0.94	-0.08
बरून्धन	46.67	93.33	53.33
	0.96	1.32	1.26
अजेता	13.33	66.67	33.33
	-1.10	-0.19	0.25
नमाना	66.67	60.00	20.00
	2.20	-0.56	-0.42
सिलोर	26.67	80.00	26.67
	-0.27	0.56	-0.08
लक्ष्मीपुरा	13.33	53.33	6.67
	-1.10	-0.94	-1.09
धनेसर	20.00	66.67	26.67
	-0.69	-0.19	-0.08
हट्टीपुरा	26.67	93.33	60.00
	-0.27	1.32	1.60
गुडानाथावता	46.67	66.67	60.00
	0.96	-0.19	1.60
गरड़धा	13.33	53.33	13.33
	-1.10	-0.94	-0.76
सामान्तर माध्य	31.11	70.00	28.33
मानक विचलन	16.18	17.74	19.80

स्त्रोत : प्राथमिक सर्वेक्षण पर आधारित

आरेख नं. 1 बून्दी तहसील में ग्रमीण विकास सूचकांक

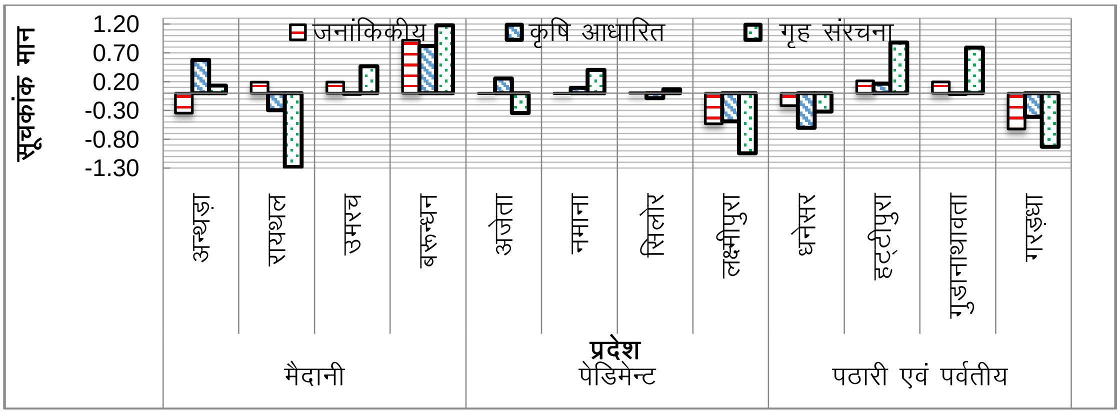

सारणी नं. 4 बून्दी तहसील में सकल मूल्य तथा सामूहिक सूचकांक

क्र. स.	सर्वेक्षित ग्राम	सकल मूल्य	सामूहिक सूचकांक
1	अन्थड़ा	3.75	0.19
2	रायथल	-5.45	-0.27
3	उमरच	2.64	0.13
4	बरून्धन	18.16	0.91
5	अजेता	1.50	0.07
6	नमाना	2.09	0.10
7	सिलोर	-0.60	-0.03
8	लक्ष्मीपुरा	-11.73	-0.59
9	धनेसर	-8.49	-0.42
10	हट्टीपुरा	5.78	0.29
11	गुडानाथावता	3.62	0.18
12	गरड़धा	-11.26	-0.56

स्त्रोत : शोधार्थी द्वारा

प्रमापीकरण विधि द्वारा परिकलित परिणामों के आधार पर तहसील को चार ग्रामीण विकास खण्डों में विभाजित किया है। बून्दी तहसील में चारों खण्डों का विवरण इस प्रकार है–

उच्चतम श्रेणी ग्रामीण विकास स्तर(0.61 से 1.00 तक)

उच्चतम श्रेणी का सामूहिक सूचकांक 0.61 से 1. 00 के मध्य है। इसके अन्तर्गत केवल मैदानी क्षेत्र का बरून्धन ग्राम सम्मिलित है, जिसका सामूहिक सूचकांक 0. 91 है। बरून्धन ग्राम के अन्तर्गत जनांकिकीय सूचकांक, कृषि आधारित सूचकांक तथा गृह संरचना पर आधारित सूचकांक क्रमषः 0.92, 0.82 तथा 1.80 हैं। जनांकिकीय सूचकांक के अन्तर्गत कुल साक्षरता, पुरूष साक्षरता, महिला साक्षरता, कार्यशील जनसंख्या, लिंगानुपान तथा सयुक्त परिवार किन्तु ऋणात्मक सूचकांक में कार्यिक घनत्व सम्मिलित हैं। इसप्रकार गृह संरचना पर आधारित धनात्मक सूचकांक चर के अन्तर्गत सर्वेक्षित परिवारों में 3 या अधिक कमरों की संख्या, सर्वेक्षित परिवारों में शोचालय का प्रयोगे करने वाले परिवार तथा सर्वेक्षित परिवारों में आधुनिकगृह संरचना सम्मिलित हैं। कृषि आधारित सूचकांक के धनात्मक सूचकांक चर के अन्तर्गत शुद्ध बोया गया क्षेत्र, सिंचन गहनता, नहरी भूमि क्षेत्र, व्यापारिक शस्य के अन्तर्गत क्षेत्र, भंडारण कक्ष, उन्नत बीच का प्रयोग, ट्रेक्टरों की संख्या तथा कृषि आधारित उद्योग एवं ऋणात्मक सूचकांक चर के अन्तर्गत चरागाह भूमि क्षेत्र तथा प्रति व्यक्ति वन क्षेत्र सम्मिलित हैं। अतः जनांकिकीय संरचना, कृषि तथा गृह संरचना के विकास के फलस्वरूप ग्रमीण विकास उच्चतम श्रेणी का है।

उच्च श्रेणी ग्रामीण विकास स्तर(0.21 से 0.60 तक)

इस श्रेणी का सामूहिक सूचकांक 0.61 से 1.00 के मध्य है। इसके अन्तर्गत कुल सर्वेक्षित ग्रामों में से केवल पर्वतीय–पठारी प्रदेश का हट्टीपुरा ग्राम सम्मिलित है, जिसका सामूहिक सूचकांक 0.29 है। अतः हट्टीपुरा ग्राम सर्वेक्षित ग्रामों में द्वितीय स्तर पर है। हट्टीपुरा ग्राम के अन्तर्गत जनांकिकीय सूचकांक, कृषि आधारित सूचकांक तथा गृह संरचना पर आधारित सूचकांक क्रमशः 0.21, 0.16 तथा 0.88 हैं। गृह संरचना पर आधारित सूचकांक के धनात्मक सूचकांक चर के अन्तर्गत सर्वेक्षित परिवारों में शोचालय का प्रयोग करने वाले परिवार तथा सर्वेक्षित परिवारों में आधुनिकगृह संरचना एवं ऋणात्मक सूचकांक चर में सर्वेक्षित परिवारों में 3 या अधिक कमरों की संख्या सम्मिलित हैं। जनांकिकीय सूचकांक के धनात्मक सूचकांक चर के अन्तर्गत कुल साक्षरता, पुरूष साक्षरता, महिला साक्षरता, लिंगानुपान तथा सयुक्त परिवार एवं ऋणात्मक कार्यशील जनसंख्या तथा कार्यिक घनत्व सम्मिलित हैं।

मध्य श्रेणी ग्रामीण विकास स्तर

इस वर्ग के अन्तर्गत सूचकांक मान –0.21 से 0. 20 के मध्य हैं। मध्य श्रेणी ग्रामीण विकास स्तर के अन्तर्गत मैदानी प्रदेश के अन्थड़ा तथा उमरच, पेडिमेन्ट प्रदेश के अजेता, नमाना, तथा सिलोर एवं पर्वतीय–पठारी गुडानाथावता ग्राम सम्मिलित हैं । अन्थड़ा, गुडानाथावता, उमरच, नमाना, अजेता एवं सिलोर ग्राम के सामूहिक सूचकांक मान क्रमषः 0.19, 0.18, 0.13, 0.10, 0.07 एवं –0.03 हैं। मध्य श्रेणी ग्रामीण विकास स्तर में मैदानी प्रदेश के 2 ग्राम, पेडिमेन्ट प्रदेश के 3 ग्राम एवं पर्वतीय–पठारी प्रदेश का 1 ग्राम सम्मिलित हैं । अतः बून्दी तहसील में मैदानी प्रदेश तथा पेडिमेन्ट प्रदेश मध्य श्रेणी ग्रामीण विकास स्तर के प्रदेश है।

निम्न श्रेणी ग्रामीण विकास स्तर

इस वर्ग के अन्तर्गत मैदानी प्रदेश का रायथल, पेडिमेन्ट प्रदेश का लक्ष्मीपुरा एवं पर्वतीय–पठारी के धनेसर तथा गरड़धा ग्राम सम्मिलित हैं। निम्न श्रेणी ग्रामीण

विकास स्तर के अन्तर्गत सूचकांक मान –0.61 से –0.20 सामूहिक सूचकांक मान क्रमशः –0.27, –0.42, –0.56 एवं –0.59 हैं। इस श्रेणी के ग्रामीण विकास स्तर में मैदानी प्रदेश के 1 ग्राम, पेडिमेन्ट प्रदेश का 1 ग्राम एवं पर्वतीय–पठारी प्रदेश का 2 ग्राम सम्मिलित हैं । आरेख नं. 1 से स्पष्ट है कि इस श्रेणी में सम्मिलित ग्रामों में जनांकिकीय सूचकांक, कृषि आधारित सूचकांक तथा गृह के मध्य हैं। रायथल, धनेसर, गरड़धा तथा लक्ष्मीपुरा ग्राम संरचना पर आधारित सूचकांक मान ऋणात्मक का है। इस श्रेणी के सभी ग्रामों में केवन रायथन ग्राम एक मात्र जनांकिकीय सूचकांक मान में धनात्मक है। अतः बून्दी तहसील में पर्वतीय–पठारी प्रदेश निम्न श्रेणी ग्रामीण विकास स्तर का प्रदेश है।

आरेख नं. 2 बून्दी तहसील में ग्रमीण विकास सूचकांक

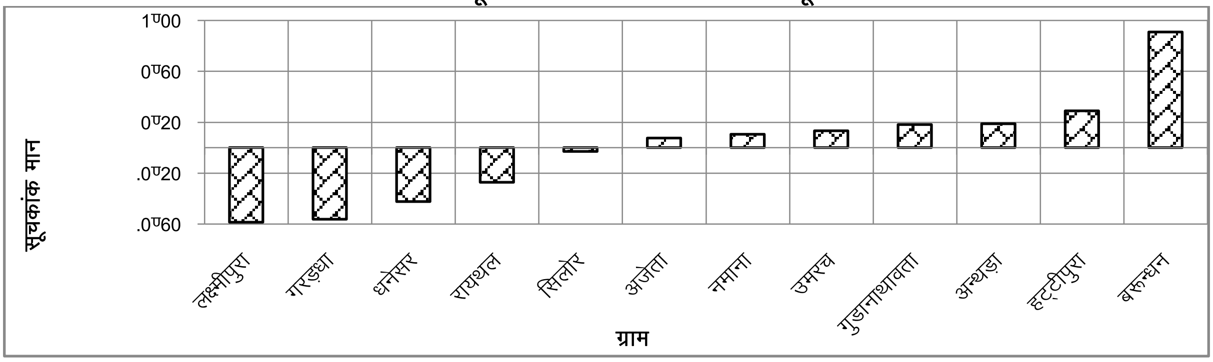

निष्कर्ष

उपर्यक्त आरेख नं. 2 से स्पष्ट है कि अध्ययन क्षेत्र में ग्रामीण विकास में बहुत अन्तर पाया गया है। जहाँ बरूंधन तथा हट्टीपुरा ग्राम में कृषि, जनांकिकीय तथा गृह संरचना में विकास का उच्च वर्ग पाया गया है परन्तु रायथल, धनेसर, लक्ष्मीपुरा तथा गरड़धा ग्राम में ग्रामीण विकास निम्न वर्ग का है। पठारी एवं पर्वतीय प्रदेश में कृषि, जनांकिकीय तथा गृह संरचना चरों के विकास में कमी है। अतः बून्दी तहसील में मैदानी प्रदेश तथा पेडिमेन्ट प्रदेश मध्य श्रेणी ग्रामीण विकास स्तर के प्रदेश है तथा पर्वतीय–पठारी प्रदेश निम्न श्रेणी ग्रामीण विकास स्तर का प्रदेश है।

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. *कटार सिंह(2011)''ग्रामीण विकास सिद्धान्त, नीतियाँ एवं प्रबन्ध'', रावत पब्लिकेशन, जयपुर, पृ–95।*
2. *कटार सिंह(2011)''ग्रामीण विकास सिद्धान्त, नीतियाँ एवं प्रबन्ध'', रावत पब्लिकेशन, जयपुर, पृ–3 ।*
3. *स्थलाकृतिक पत्रक(2016) भारतीय सर्वेक्षण विभाग, जयपुर।*
4. *डॉ. मोहन लाल गुप्ता(2009) ''कोटा संभाग का जिलेवार सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक अध्ययन'', राजस्थान ग्रन्थागार, जोधपुर पृ–1।*
5. *जिला सांख्यिकीय रूपरेखा, बून्दी (2006): आर्थिक एवं सांख्यिकी निदेशालय, जयपुर, पृ–6।*
6. *माजिद हुसैन (2009) ''कृषि भूगोल'', रावत प्रकाशक, नई दिल्ली।*
7. *डॉ. संजीता(2016) ''ग्रामीण विकास में अनुसंधान पद्धतियाँ'', गुल्लीबाबा पब्लिशिंग हाउस प्रा. लि. दिल्ली।*
8. *जगदीश सिंह(2010) ''आर्थिक भूगोल के मूल तत्व'', ज्ञानोदय प्रकाशन, गोरखपुर, ।*
9. *हरीष कुमार खत्री (2013) ''भूगोल में शोध प्रविधि'', कैलाश पुस्तक सदन, भोपाल ।*
10. *आर. सी. चान्दना (2015) ''प्रादेशिक नियोजन तथा विकास'', कल्याणी पब्लिशर्स, नई दिल्ली ।*
11. *डॉ. हरि मोहन सक्सेना(2013) ''राजस्थान का भूगोल'', राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर ।*